This question paper contains 4 printed pages.

6869 *Your Roll No.* .....

LL.B. / V Term G

Paper LB-5032— JURISPRUDENCE – II

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any five questions
All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain in brief the Hohfeldian analysis of jural relations. Examine the right of a citizen to move the Supreme Court under Article 32 of the Constitution to enforce his fundamental rights in the light of Hohfeldian scheme of jural relations.

   विधिक संबंधों के हौफैल्डियन विश्लेषण को संक्षिप्त में समझाइए। विधिक संबंधों की हौफैल्डियन पद्धति के प्रकाश में

P. T. O.

एक नागरिक के अपने मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए संविधान की धारा 32 के अन्तर्गत सर्वोच्च न्यायालय में वाद लाने के अधिकार का परीक्षण कीजिए। 20

2. (a) How has Allen Buchanan dealt with compensatory feature of rights?

ऐलन बुचानेन ने किस प्रकार अधिकारों की क्षतिपूरक विशेषता से निपटारा किया है? 10

(b) How does Buchanan find merit in the claim 'that part of what is distinctively valuable about right is that they may be invoked or not invoked or waived'?

बुचानेन इस दावे में 'कि अधिकार का वह भाग जो विशिष्टत: मूल्यवान है, कि या तो उसका आह्वान किया जा सकता है या नहीं किया जा सकता या माफ किया जा सकता है' किस प्रकार योग्यता ढूँढ लेता है? 10

3. Elaborate how the developments from 17th century demarcated an individual and treated an individual as bearer of rights. Do you agree with the idea that rights are source of both benefits and burdens?

17वीं शताब्दी के विकास ने एक व्यक्ति को कैसे सीमांकित किया और व्यक्ति को अधिकारों के धारक की तरह व्यवहार किया? विस्तार कीजिए। क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि अधिकार दोनों लाभ एवं भार के स्रोत हैं? 20

4. Discuss the relevance of intention and negligence in determination of criminal and civil liability.

फौजदारी एवं दीवानी दायित्व के निर्धारण में इरादे और लापरवाही की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए। 20

5. Discuss 'Corporate Sole' and 'Corporate Aggregate'. Whether a company registered under the Indian Companies Act, 1956, is a citizen within the meaning of Art. 19 of the Constitution and can ask for the enforcement of fundamental rights granted to citizens under the said article? Answer the question using different theories of "Personality".

'कारपोरेट सोल' एवं 'कारपोरेट एग्रीमेन्ट' की विवेचना कीजिए। संविधान की धारा 19 के अर्थस्वरूप भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 में पंजीकृत एक कम्पनी को क्या नागरिक कहा जा सकता है? और क्या वह कम्पनी तथाकथित धारा के तहत नागरिकों की तरह मौलिक अधिकारों को लागू करने की माँग कर सकती है? व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धान्तों द्वारा प्रश्न का उत्तर दीजिए। 20

6. Discuss and analyse the term 'property'. What is the difference between 'property' and 'private property'? What is its relation with ownership?

'सम्पत्ति' पद का विवेचन एवं विश्लेषण कीजिए। 'सम्पत्ति' एवं 'व्यक्तिगत सम्पत्ति' में क्या अंतर है? स्वामित्व से इसका क्या संबंध है? 20

P. T. O.

7. Discuss Ownership and Possession with the help of decided cases.

स्वामित्व एवं आधिपत्य का विवेचन निर्णीत वादों की सहायता से कीजिए। 20

8. Write short notes on any *two*:

(a) Subjective and Objective theory of negligence

(b) Legal personality of foetus

(c) Distinction between liberty and claim-right

(d) Corporeal and Incorporeal possession.

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

(a) लापरवाही का व्यक्तिपरक एवं लक्ष्यपरक सिद्धान्त

(b) भ्रूण का वैधानिक व्यक्तित्व

(c) स्वतन्त्रता एवं माँग-अधिकार में भेद

(d) दैहिक एवं अमूर्त आधिपत्य। 10